EVALUATION REPORT

UPSC CSE

General Studies I

TOTAL SCORE

6 /10

GOOD

60% achieved

WORDS	LANGUAGE	PAPER
191	HINDI	General Studies I

QUESTION

"आदिमानव का विकास एक सतत और बहुआयामी प्रक्रिया रही है।" इस कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि जलवायु परिवर्तन, कृषि-पशुपालन, औजारों एवं धातु के विकास तथा व्यापार के उद्भव ने किस प्रकार मानव को शिकारी-संग्रहकर्ता अवस्था से स्थायी सभ्यताओं की ओर अग्रसर किया।

शिकारी-संग्रहकर्ता से स्थायी सभ्यता | UPSC CSE | 10 marks | 191 words | 2 pages

1 Annotated Review

UPSC CSE • General Studies I

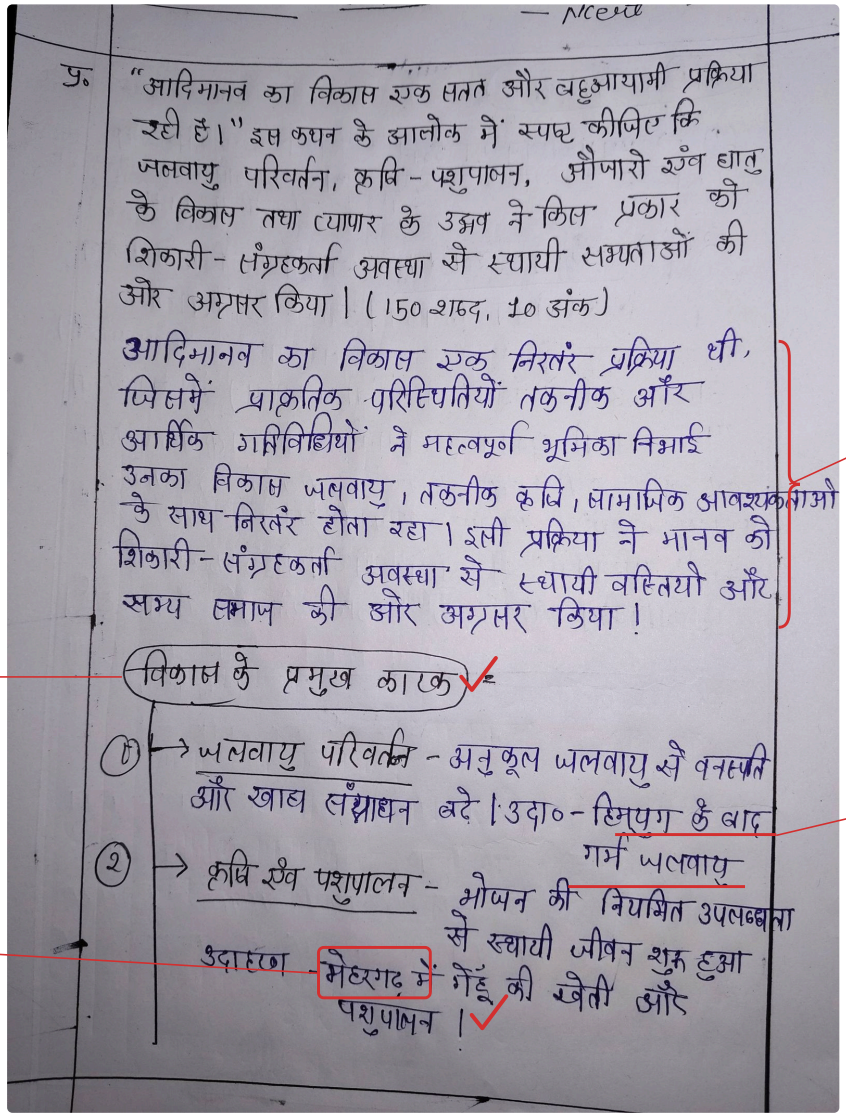

प्र॰ "आदिमानव का विकास एक सतत और बहुआयामी प्रक्रिया रही है।" इस कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि जलवायु परिवर्तन, कृषि-पशुपालन, औजारों एवं धातु के विकास तथा व्यापार के उद्भव ने किस प्रकार को शिकारी-संग्रहकर्ता अवस्था से स्थायी सभ्यताओं की ओर अग्रसर किया। (150 शब्द, 10 अंक)

आदिमानव का विकास एक निरंतर प्रक्रिया थी, जिसमें प्राकृतिक परिस्थितियों तकनीक और आर्थिक गतिविधियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका विकास जलवायु, तकनीक कृषि, सामाजिक आवश्यकताओं के साथ निरंतर होता रहा। इसी प्रक्रिया ने मानव को शिकारी-संग्रहकर्ता अवस्था से स्थायी बस्तियों और सभ्य समाज की ओर अग्रसर किया।

विकास के प्रमुख कारक ✓

(1) → जलवायु परिवर्तन - अनुकूल जलवायु से वनस्पति और खाद्य उपलब्धता बढ़े। उदा०- हिमयुग के बाद गर्म जलवायु

(2) → कृषि एवं पशुपालन - भोजन की नियमित उपलब्धता से स्थायी जीवन शुरू हुआ

उदाहरण - मेहरगढ़ में गेहूँ की खेती और पशुपालन ✓

प्रश्न की पंक्तियाँ दोहराई गई हैं। एक समय-सीमा जोड़ें: होलोसीन (लगभग 10,000 ई.पू.) से हड़प्पा तक।

स्पष्ट शीर्षक; उत्तर पढ़ना आसान है।

होलोसीन का नाम लें; जंगली गेहूँ-जौ का फैलाव और मध्यपाषाण सूक्ष्मपाषाण (बागोर, आदमगढ़) जोड़ें।

सही उदाहरण। तिथि (लगभग 7000 ई.पू.) और कच्ची ईंटों के घर जोड़ें, जो स्थायी बस्ती का प्रमाण हैं।

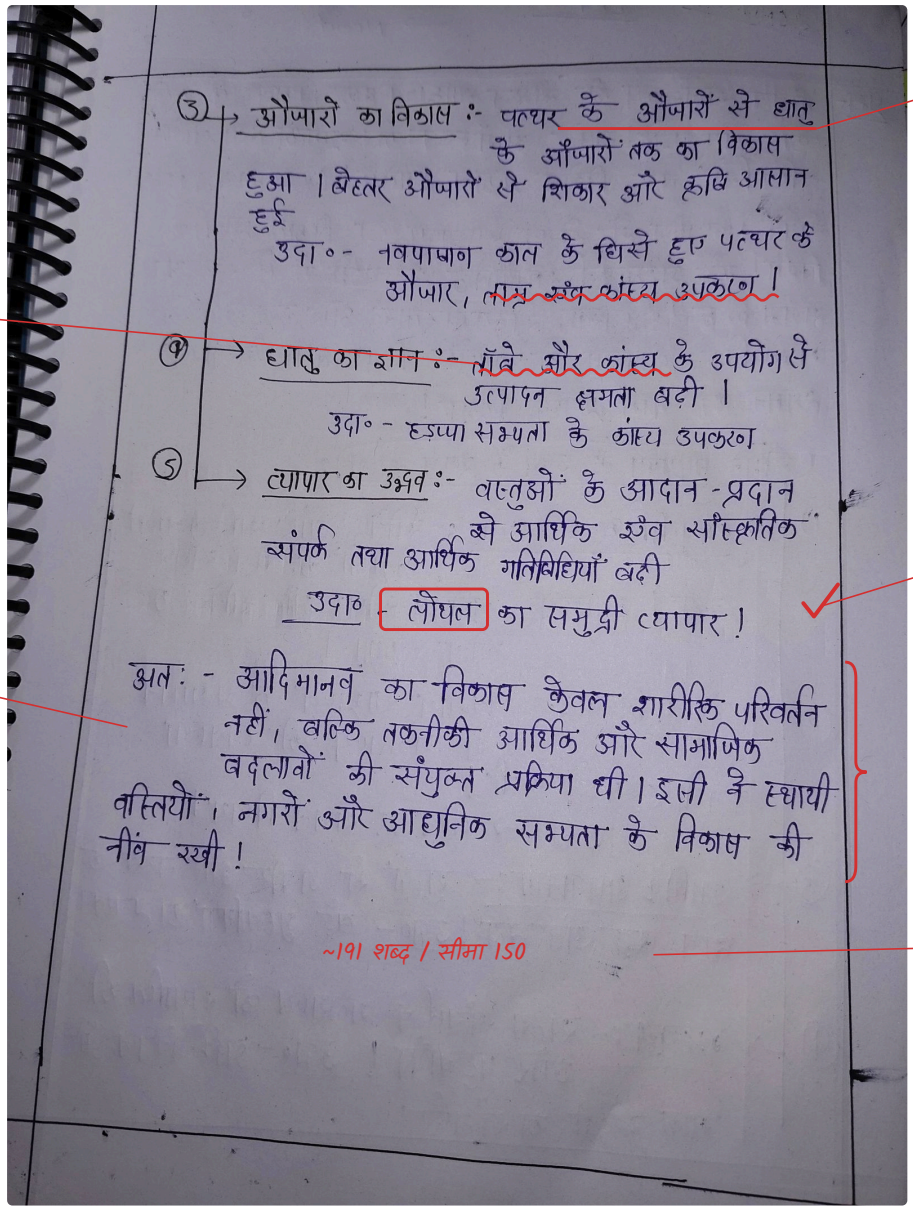

पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण का क्रम दिखाएँ; "सतत" प्रक्रिया यहीं सिद्ध होती है।

बिंदु 3 और 4 दोनों में ताम्र-कांस्य दोहराया गया। ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ (अहाड़, जोर्वे) जोड़कर इसे अलग बनाएँ।

सही उदाहरण। अधिशेष से व्यापार कैसे बढ़ा, एक पंक्ति जोड़ें; मेसोपोटामिया से संपर्क भी लिखें।

निष्कर्ष "बहुआयामी" को अच्छे से समेटता है। कारकों की शृंखला एक छोटे फ्लोचार्ट में दिखाएँ।

भूमिका छोटी करें; उत्तर 150 शब्दों के पास रखें।

MENTOR FEEDBACK

उत्तर प्रश्न में पूछे गए चारों कारकों को क्रम से लेता है और मेहरगढ़, हड़प्पा व लोथल जैसे सही उदाहरण देता है। सबसे उपयोगी सुधार यह है कि हर कारक को अगले से जोड़ें: जलवायु से कृषि, कृषि से अधिशेष, और अधिशेष से धातु-शिल्प व व्यापार, ताकि "सतत" प्रक्रिया स्पष्ट दिखे।

DETAILED ANALYSIS

1/1.5 Introduction — GOOD

विकास को निरंतर प्रक्रिया बताकर प्राकृतिक, तकनीकी और आर्थिक कारकों से उत्तर की दिशा तय करता है, पर कोई समय-सीमा या तथ्य नहीं देता।

STRENGTHS

+ कथन के "सतत" और "बहुआयामी" दोनों पक्षों को पहचानता है
+ अंतिम पंक्ति सीधे प्रश्न की माँग (शिकारी-संग्रहकर्ता से स्थायी बस्ती) से जुड़ती है

AREAS TO IMPROVE

समय-सीमा का अभाव

होलोसीन (लगभग 10,000 ई.पू.) से हड़प्पा सभ्यता तक की एक पंक्ति जोड़ें और भूमिका को 30-35 शब्दों में रखें।

3.5/6 Body — FAIR

पाँच बिंदुओं में जलवायु, कृषि-पशुपालन, औजार, धातु और व्यापार को एक-एक उदाहरण के साथ रखता है, पर बिंदु अलग-थलग हैं और गहराई कम है।

STRENGTHS

+ मेहरगढ़ में गेहूँ की खेती और पशुपालन, कृषि का सटीक उदाहरण है
+ लोथल के समुद्री व्यापार से व्यापार के उद्भव को ठोस आधार मिलता है

AREAS TO IMPROVE

कारकों का आपसी संबंध नहीं दिखाया

बताएँ कि कृषि से अधिशेष बना और अधिशेष से शिल्प-विशेषज्ञता व व्यापार संभव हुए; यही शृंखला "सतत" प्रक्रिया है।

बिंदु 3 और 4 में दोहराव

औजार वाले बिंदु में पुरापाषाण से नवपाषाण का क्रम रखें और धातु वाले बिंदु में ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ (अहाड़, जोर्वे) जोड़ें।

1/1.5 Conclusion — GOOD

विकास को केवल शारीरिक नहीं, बल्कि तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक बदलावों की संयुक्त प्रक्रिया बताकर नगरों तक जोड़ता है।

STRENGTHS

+ "बहुआयामी" शब्द का अर्थ अपने शब्दों में स्पष्ट करता है

AREAS TO IMPROVE

कारकों की शृंखला नहीं दिखाई

जलवायु → कृषि → अधिशेष → धातु-शिल्प → व्यापार → नगर, यह क्रम एक छोटे फ्लोचार्ट में दिखाकर निष्कर्ष को मज़बूत करें।

0.5/1

Structure

FAIR

क्रमांकित बिंदु और रेखांकित शीर्षक उत्तर को पढ़ने में आसान बनाते हैं, पर उत्तर लगभग 191 शब्दों का है और कोई आरेख नहीं है।

STRENGTHS

+ हर कारक का अलग शीर्षक और उदाहरण

AREAS TO IMPROVE

शब्द-सीमा और आरेख

भूमिका छोटी कर 150 शब्दों के पास रहें और बचे स्थान में कारकों का फ्लोचार्ट या समयरेखा बनाएँ।

NEXT ATTEMPT FOCUS

BODY | -2.5 marks

> *"हर कारक को अगले कारक से जोड़ें, ताकि विकास एक शृंखला के रूप में दिखे।"*

EXAMPLE

होलोसीन (लगभग 10,000 ई.पू.) की गर्म जलवायु में जंगली गेहूँ-जौ फैले; मेहरगढ़ (लगभग 7000 ई.पू.) में इनकी खेती से अधिशेष बना, जिसने आगे हड़प्पा में शिल्प-विशेषज्ञता और लोथल जैसे बंदरगाहों से व्यापार को संभव किया।

- Study the Model Answer to see this principle applied in practice.

MISSING KEYWORDS

1. **मध्यपाषाण काल व सूक्ष्मपाषाण (माइक्रोलिथ)**
   जलवायु परिवर्तन और कृषि के बीच की कड़ी; बागोर व आदमगढ़ में आरंभिक पशुपालन के साक्ष्य मिलते हैं।
2. **अधिशेष उत्पादन**
   कृषि को शिल्प-विशेषज्ञता, व्यापार और नगरों से जोड़ने वाला मुख्य शब्द।
3. **ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ (अहाड़, जोर्वे)**
   पत्थर से धातु तक के संक्रमण का ठोस उदाहरण देता है।

ANSWERWRITING.COM

Instant Mains Answer Evaluation

Upload your handwritten answer and get examiner-style marks, section-wise feedback and a model answer in minutes.

Evaluate Now ›

For UPSC CSE and State PSC Mains answers

